राजस्थान में प्रमुख खनिज

→ खनिजो की दृष्टि से राज्य का सम्पन्न जिला - उदयपुर

→ राज्य का 70% खनिज अरावली पर्वतीय क्षेत्र मे है।

→ राजस्थान राज्य खनिज भू विज्ञान विभाग - उदयपुर (1949)

→ राजस्थान को खनिजों का अजायबघर कहते है।

→ खनिज भण्डारों की दृष्टि से राज्य का स्थान - दूसरा (पहला - झारखण्ड)

→ देश के कुल खनिज उत्पादन मे राज्य का 22% योगदान है।

देश के कुल खनिज उत्पादन का राज्य 15% धात्विक खनिज 25% अधात्विक व 26% लघु श्रेणी खनिज उत्पादित होता है।

→ राज्य मे कुल 81 प्रकार के खनिजो की खोज की गई है। जिसमे 58 प्रकार के खनिजो का दोहन हो रहा है।

→ राजस्थान की प्रथम खनिज नीति → 1978 (भैरोसिंह शेखावत)
दुसरी ,, ,, 1994
नवीन खनिज नीति – 2015

विजन 2020 → 15/अगस्त/1999 को शुरू की गई योजना खनिजों को प्रौद्योगिकी आधार प्रदान करने हेतु।

नोट → **विजन-2025** → राज्य को तम्बाकू मुक्त करने हेतु शुरू की गई योजना (2012)

→ राज्य को खनिजों से होने वाली आय में स्थान 5 वाँ
लोह खनिजो से होने वाली आय मे स्थान - 4
अलोह खनिजो ,, ,, ,, ,, - 1

→ राज्य मे 44 प्रकार के प्रधान व 23% अप्रधान खनिजो को दोहन हो रहा है।

Most Imp # → राजस्थान का जास्पर, वोलेस्टोनाइट, गार्नेट मे एकाधिकार है।

जास्पर -100%

वोलेस्टोनाइट -100%

जस्ता कस्तूर → 99

फ्लोराइट - 96%

जिप्सम - 93%

मार्बल → 90%

ऐस्बेस्टास - 89%

सॉफ्टस्टोन - 87%

रॉक फास्फेट - 75%

बालक्ले - 71%

कोटा स्टोन - 70%

फैलस्पार - 70%

कैलसाइट - 70%

सैण्डस्टोन - 70%

अभ्रक - 22%

लोह / धात्विक खनिज : →

Trick → सीता लोह मे बैठी कोनी

- सी → सीसा, जस्ता
- ता → ताँबा
- लोह → लोहा, टंगस्टन
- मे → मैंगनीज
- बैठी → बेरिलियम, बॉक्साइट, बेराइट
- कोनी → कोबाल्ट, कैडमियम, क्रोमियम, निकल

① सीसा जस्ता :→ जुड़वाँ खनिज

- → विश्व
  - भण्डार - ऑस्ट्रेलिया
  - उत्पादन - चीन
- → भारत मे सर्वाधिक - राजस्थान
- → अयस्क → गैलेना
- → राज्य मे खोजी गई प्रथम खान → जावर (सलुम्बर)
  - → खोज → राणा लाखा के काल मे
- → राज्य मे बड़ी खान → देबारी (उदयपुर) → वर्तमान मे बंद

→ केन्द्र सरकार द्वारा → हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड की स्थापना - देबारी (उदयपुर) मे की गई। 10 जनवरी 1966

→ एशिया का सबसे बड़ा जिंक स्मेल्टर का कारखाना -
चन्देरिया (चित्तौड़गढ़) 1990-91
↳ ब्रिटेन के सहयोग से स्थापित

ताम्र भंडार

मातीपा मगरा, जावा माला - (सलूम्बर)
देबारी - (उदयपुर)
रामपुरा आगुचा (भीलवाड़ा) - विश्व की सिंगल ओपन खान
राजपुरा दरीबा (राजसमंद)
चौथ का बरवाड़ा (सवाई माधोपुर)
धुवरा की पाल, मांडो की पाल (डूंगरपुर)
पारडालिपा (बाँसवाड़ा)

गुढा, किसोरिदास (अलवर)

सावर, बाजता, बाघड़ (अजमेर)

चाँदी :→ विश्व - मैक्सिको

भारत - राजस्थान (पूरे भारत का 90%)

विद्युत की सर्वाधिक सुचालक धातु

जिन खानों से सीसा जस्ता निकलता है वहीं से चाँदी

सोना : →

विश्व — भण्डार - USA
विश्व — उत्पादन – चीन

भारत मे प्रसिद्ध खान → कोलार की खान हट्टी की खान - कर्नाटक

राजस्थान मे सर्वाधिक – बाँसवाड़ा

खानें → आनन्दपुर, भूकिया, जगतपुरा (बाँसवाड़ा)

रामपुर खेड़ा -(उदयपुर)

तिमरान माता, बसंतगढ़, अंजारी (सिरोही)

नवीन भण्डार

→ हाथी पहाड़, श्री नगर (अजमेर)

बामनीगाँव – (दौसा)

मुण्ड्याबास (कोटपूतली बहरोड़)

नोट → मुण्ड्याबास (कोटपूतली बहरोड़) सोना, चाँदी, ताँबा तीनो के इकट्ठे भण्डार मिले है।

सोने का पहाड़ → भूकिया जगपुरा (बाँसवाड़ा)

→ राज्य मे सोने की खोज ऑस्ट्रेलिया की कम्पनी इंडो गोल्ड द्वारा की जा रही है।

लोहा :→ विश्व
- भण्डार - ऑस्ट्रेलिया
- उत्पादन - चीन

भारत मे लोहे की किस्म
- मेगनेटाइट (सर्वाधिक) कर्नाटक
- हेमेटाइट - ओडिशा

राज्य मे सर्वाधिक - जयपुर

प्रमुख खान → मोरिजा, बिनौला (जयपुर)
नीमला, राइसेला (दौसा)
थोई, काठीया - ~~नीम का थाना~~ (सीकर)

डाबला, सिंघाना (झुंझुनू)

धुर डुंडेर, नाथरा की पाल (उदयपुर)

लोहारपुरा (बूंदी)

जामलपुरा, लांपा (बांसवाड़ा)

तलवारा, खामरिया, लौहारिया (डूंगरपुर)

डग, पादरपाल (झालावाड़)

मैगनीज :→

भारत - ओडिशा

उपयोग → शुष्क सैल, रासायनिक उद्योग

राज्य मे सर्वाधिक - बांसवाड़ा

उत्पादन

→ लीलवाला, कालाखुंआ (बांसवाड़ा)

नेगड़िया, स्वरूपपुरा, तामेसरा (उदयपुर)

ताँबा :→ विश्व - चीली

उपयोग → इलेक्ट्रॉनिक्स सामान, बर्तन

→ आहड़ सभ्यता के लोग इस धातु से परिचित थे।

→ गणेश्वर सभ्यता (नीम का थाना सीकर) को ताम्र युगीन सभ्यताओं की जननी कहते है।

#→ देश का सबसे बड़ा ताँबा गलाने का संयंत्र - खेतड़ी (झुंझुनू)

स्थापना - 1967

सहयोग → अमेरिका

देश की सबसे बड़ी खान → खेतड़ी (झुंझुनू)

<u>प्रमुख खान</u> →

खोह दरीबा, मुड़ियाबास (कोटपुतली बहरोड़)

अंजनी (सलूम्बर)

गंगास बेल्ट, रेलमगरा (राजसमंद)

खेतड़ी, बन्ने वाली की ढाणी (झुंझुनू)

सिंघाणा (झुंझुनू)

टंगस्टन : → विश्व - चीन

भारत → कर्नाटक

देश की सबसे बड़ी टंगस्टन की खान → रेवत पहाड़ी डेगाना (नागौर)

उपयोग → बल्ब तन्तु बनाने हेतु

प्रमुख खानें :

आबू वाल्दा (सिरोही)

नाना कराब (पाली)

बिजाथल (नागौर)

बेरीलियम :→

आण्विक रिएक्टरो मे, रासायनिक उद्योग

शिकारबाड़ी चंपा गुड़ा (उदयपुर)

मकरेड़ा (भीलवाड़ा)

आमेट (राजसमंद)

गुजरवाड़ा (जयपुर)

बांदर सिन्दरी (अजमेर)

भूषाण (भीलवाड़ा)

लिथियम → अजमेर

अधात्विक खनिज →

अधात्विक खनिज

① जिप्सम :→

यह एक परतदार खनिज है

विश्व
- भंडार - USA
- उत्पादन - चीन

भारत मे सर्वाधिक - राजस्थान

अन्य नाम → हरसौंठ, सेलखड़ी, सेलेनाइट, गोदंती

उपयोग → लवणीय मिट्टी को उपजाऊ बनाने हेतु
चिकित्सा क्षेत्र POP के रूप मे

सर्वाधिक भण्डार → गोठ मांगलोद (नागौर)

वर्तमान में बड़ी खान → बिसरासर (बीकानेर)

अ.प्रदेश (पश्चिमी राजस्थान)

गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, बाड़मेर, नागौर, जोधपुर

संगमरमर :→ भारत मे सर्वाधिक → राजस्थान

राज्य मे सर्वाधिक खान → राजसमंद

प्रथम खान - R.K मार्बल (कांकरोली, राजसमंद)

मण्डी → किशनगढ़ (अजमेर)

विश्व प्रसिद्ध संगमरमर - मकराना (नागौर)

काला संगमरमर → कालाडेरा भैंसलाना (जयपुर)

पीला " → पिंपुला (जैसलमेर)

हरा " → ऋषभदेव (उदयपुर)

हल्का हरा संगमरमर - डूंगरपुर

सफेद " - मकराना (नागौर)

भूरा या सफेद → राजसमंद

लाल " → धौलपुर

सतरंगा " → खादरा (पाली)

गुलाबी " → बाबर माला (जालौर)

बादामी " → जोधपुर

अभ्रक : →

उपयोग - विद्युत रोधी ईंट बनाने हेतु

सफेद अभ्रक → रूबी

सर्वाधिक → भीलवाड़ा

प्रमुख क्षेत्र

बनेड़ा, दांता, भूणास, लौहारिया (भीलवाड़ा)

सवगढ (उदयपुर)

आमेट (राजसमंद)

[redacted]

तामड़ा :

रक्तमणी, गार्नेट

उपयोग → आभूषण बनाने में।

राज्य में दो प्रकार का — जैम (सर्वाधिक) / अब्रेसिव

सर्वाधिक - टोंक ✓

उत्पादन → राजमहल, गावरी, कल्याणपुर (टोंक)

सरवाड़ा (अजमेर)

कमलपुरा (भीलवाड़ा)

बागेश्वर (सीकर)   महवा (नीम का थाना) सीकर

पन्ना / हरी अग्नि

- संस्कृत - मरकत
- Eng → ऐमरल्ड

उपयोग → आभूषण

मण्डी → जयपुर

उत्पादन स्थान → काला गुमान (उदयपुर)

नाथद्वारा, कांकरोली गमगुडा (राजसमंद)

बूबानी (ब्यावर)

धीया पत्थर :→ सॉफ्ट स्टोन, मुलायम पत्थर

सर्वाधिक भण्डार (उदयपुर)

उत्पादन क्षेत्र → सिलौरा, डिग्सी, नापरा की पाल (उदयपुर)

उसन, कागदर (राजसमंद)

देवल, बजादा, पीपलोदा (डूंगरपुर)

जगतपुरा, मडोला जगोई (बांसवाड़ा)

धीया पत्थर से मूर्तियां व खिलौने बनाये जाते हैं। इसे रम्मकड़ा कला कहते हैं।

रम्मकड़ा गलियाकोट (डूंगरपुर) की प्रसिद्ध है।

चुना पत्थर : →

लाइम स्टोन

सर्वाधिक → जोधपुर

उत्पादन

बिलाड़ा (जोधपुर)

सोजत, अटबड़ा (पाली)

शंभूपुरा (चित्तौड़गढ़)

सानू (जैसलमेर)

मुण्डावा, गोटन (नागौर)

ग्रेनाइट :→

सर्वाधिक - जालौर

नासौली, खाम्बी, पाबरमाला, कोरड़ा (जालौर)

फैल्सपार :→

उपयोग - सिरेमिक व काँच उद्योग व बर्तन बनाने मे

→ 90% अजमेर के मकरेरा नामक स्थान से निकाला जाता है

→ मकरेरा (अजमेर), सांदेर, लोहारवाड़ा (पाली)

→ माण्डल (भीलवाड़ा) खैरथल (खैरथल तिजारा)

तालारपुरा (अलवर)

फ्लोर्सपार

- मांडो की पाल (डूँगरपुर)

कोरड़ा, भीनमाल (जालौर)

रॉक फास्फेट :→

↳ इससे भूमि मे अम्लीयता कम करने हेतु राजफोस उर्वरक तैयार किया जाता है

राज्य मे सर्वाधिक - उदयपुर

उत्पादन क्षेत्र →

मानपुरा, झामर कोटड़ा (उदयपुर)

बिरमानीया, लाठी - (जैसलमेर)

सालोपत (बांसवाड़ा)

कैरपुरा (सीकर)

अचरोल (जयपुर[redacted])

हीरा → केसरपुरा, मानपुरा (प्रतापगढ़)

एस्बेस्टॉस : → रेशेदार खनिज

सर्वाधिक - उदयपुर

उत्पादन

ऋषभदेव, झाड़ोल, खेलाणा (उदयपुर)

खैरवाड़ा (सलूम्बर)

जीदरदा, नाथद्वारा (राजसमंद)

देवल (डूँगरपुर)

सेंदरा (पाली)

नरौमा, अर्जुनपुरा (अजमेर)

→ **डोलोमाइट** (जयपुर)

→ **पाइराइट्स** → शालीदपुरा (सीकर)

→ **कैल्साइट** → (सीकर)

→ **बेन्टोनाइट**

बीकानेर, बाड़मेर

पानी मे भिगोने पर फुल जाता है

फायरक्ले, बालक्ले : → बीकानेर

वॉलेस्तोनाइट (सिरोही)

खिरला, बेलका (सिरोही)
रूपनगर, पिसांगन (अजमेर)

बैराइट्स – उदयपुर

→ मुल्तानी मिट्टी : →
↳ बीकानेर, बाड़मेर

→ गेरू पत्थर : →(हरमच)
↳ चित्तौड़गढ़

→ काँच बालू → जयपुर
झर, सामोद (जयपुर)
बारोदिया (बूँदी)

→ चीनी मिट्टी → सीकर

यूरेनियम : → उदयपुर

उमरा (उदयपुर)

खण्डेला (सीकर)

नवीन भण्डार

भूषाण, जहाजपुर (भीलवाड़ा)

शक्ति संसाधन

कोयला

प्रकार = 4

① ऐन्थ्रेसाइट → (कार्बन - 80-90%) (धुआं कम)

② बिटुमिन → घरों मे उपयोग (70-80%)

③ लिग्नाइट → रंग भूरा (35-50%) - राज्य मे सर्वाधिक

④ पीट → घटिया किस्म (35 से कम)

राज्य मे सर्वाधिक → लिग्नाइट कोयला

भण्डार – ① तमिलनाडु ② राजस्थान

उत्पादन – ① तमिलनाडु ② गुजरात ③ राजस्थान

राज्य मे सर्वाधिक → ① बाड़मेर ② बीकानेर

उपलब्ध स्थान → पलाना, बरसिंह, गुढा, रानेरी, हाडला, बाठिपाला गाडियाला (बीकानेर)

→ फालिया, बोथिया, गिरल, सौनाड़ी, भरका, कुरला, सिणधरी (बाड़मेर)

→ रामगढ़, खुईडिपावाला (जैसलमेर)

→ कसनाऊ, मातासुख, मेड़ता, मोकला (नागौर)

खनिज तेल : →

राज्य मे पेट्रोलियम निदेशालय की स्थापना - 1997 (जयपुर)

राज्य प्रतिदिन 175000 बैरल तेल का उत्पादन करता है।

(1 बैरल = 159 लीटर)

→ देश के कुल उत्पादन मे राजस्थान का योगदान → 24%

→ राज्य का स्थान
- भण्डारों की दृष्टि से → पाँचवा
- उत्पादन की दृष्टि से → दूसरा

राज्य सर्वप्रथम भंडार → जैसलमेर

राज्य मे सर्वाधिक भंडार → बाड़मेर

<u>तेल कुँए</u> →

V M B A S

- V – वागेश्वरी
- M – मंगला
- B – भाग्यम
- A – ऐश्वर्या
- S – सरस्वती

बागेश्वरी → बालोतरा
मंगला → बालोतरा
भाग्यम – बाड़मेर
ऐश्वर्या → बालोतरा
सरस्वती → बालोतरा
पुनम I → बालोतरा

प्रथम तेल कुआँ → मंगला
वर्तमान मे उत्पादन शुरू → पुनम I

अन्य तेल क्षेत्र
बागेवाला, कालरेवाला (जैसलमेर)
तुवरीवाला (बीकानेर)

राज्य मे तेल की खोज करने वाली कंपनी

1. केयर्न एनर्जी → स्कॉट लैण्ड
2. HPCL → भारत सरकार
3. शैल इन्टरनेशनल → नीदरलैण्ड

प्राकृतिक गैस :→

राज्य का स्थान 5 वाँ

सर्वाधिक उत्पादन → जैसलमेर

सर्वप्रथम भण्डार → बाड़मेर

प्रथम कुआँ → डांडेवाला (जैसलमेर)

राज्य मे CBM (कोल बैड मिथेन) के भण्डार → बोटाड़ (जैसलमेर)

पचपदरा रिफाइनरी :→

यह देश की 26 वीं रिफाइनरी है क्षमता की दृष्टी से

यह BS-6 ईंधन पर आधारित देश की प्रथम रिफाइनरी

शिलान्यास → 22/सितम्बर/2013

साजियाली गाँव - पंचपदरा (बालोतरा)

इसमें राज्य सरकार 26% व MPCL 74% की भागीदारी है